



# न्यायालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, डुमरी (गिरिडीह)

वाद संख्या ..... 224/19-20

धारा 107 दं.प्र.सं. के अन्तर्गत कार्यवाही/नोटिस।

जगेश्वर महतो

बनाम

मनीष कुमार

03-03-20  
17-03-20  
03-04-20  
25-09-20  
09-10-20

स्थानीय पुलिस थाना: निमियाँघाट से प्राप्त प्रतिवेदन, जिसे पुलिस निरीक्षक द्वारा अग्रसारित किया गया है, के अवलोकन से प्रतीत होता है कि

द्वितीय पक्ष के द्वारा प्रथम पक्ष को मारपीट एवं धमकी दिया गया है

जिसके कारण उभय पक्ष के बीच शान्ति-व्यवस्था भंग होने की आशंका है एवं उभय पक्ष टकराव के लिए तत्पर हैं फलस्वरूप उस क्षेत्र में शांति भंग, खून-खराबा तथा उपद्रव हो सकता है जो मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शान्ति बनाए रखने हेतु निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।

इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्ष/विपक्षी सदस्यों के विरुद्ध धारा 107 दं.प्र.सं. के अन्तर्गत कार्यवाही प्रारम्भ किया जाता है तथा इनसे दिनांक 03 / 03 2020 को कारण-पृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं उन्हें आदेश की तिथि से एक साल लिए शान्ति बनाए रखने हेतु 5000/- रुपये के दो-दो प्रतिभूतियों के साथ बन्ध-पत्र दाखिल करने का आदेश दिया जाय।

प्रथम पक्ष -

1 जगेश्वर महतो

उम्र : 35 वर्ष पिता :

प्रधानाध्यापक, पी.टी. ए.के.जैन मेमोरियल स्कूल, इसरी बाजार।

- बनाम -

द्वितीय पक्ष -

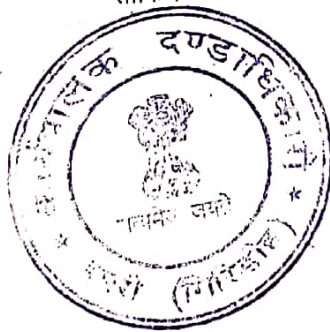
1 मनीष कुमार

उम्र : 35 वर्ष पिता : स्व. शांति राम

साकिन : स्टेशन रोड, इसरी बाजार, थाना : निमियाँघाट, जिला : गिरिडीह।

लेखापित

कार्यवाही अधिकारी  
अनुमंडल दण्डाधिकारी  
डुमरी।



10/03/2020  
कार्यवाही अधिकारी  
अनुमंडल दण्डाधिकारी  
डुमरी।

03-03-2020

अशिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष एकालतनामा के साथ उपस्थित। अश्लो० अन्य कार्य में व्यस्त। अशिलेख दि० 17-03-2020 को उपस्थापित करें।

17-03-20

अशिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थित। अश्लो० दि० 03-04-20 को रखें।

अनु० 20570  
डुमरी।

कार्यवाही अधिकारी  
अनुमंडल दण्डाधिकारी  
डुमरी

दं.प्र.सं. की धारा 107 के अन्तर्गत राष्ट्रीय लोक अदालत में वाद का  
निष्पादन आदेश

वाद संख्या : 224/19-20 .

जगेश्वर महतो बनाम मनीष कुमार

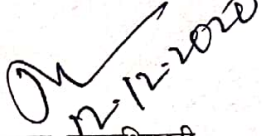
12-12-20

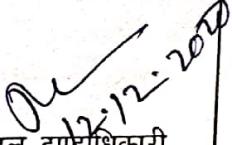
अभिलेख उपस्थापित। दिनांक 12-12-2020 को राष्ट्रीय लोक अदालत में वाद से संबंधित उभय पक्षों को उपस्थित होने हेतु नोटिस निर्गत कर सूचित किया गया। वाद से संबंधित प्रथम पक्ष/उभय पक्ष लोक अदालत में उपस्थित/अनुपस्थित।

उभय पक्षों के बीच संभवतः शांति-व्यवस्था कायम है। उभय पक्षों के बीच शांति-व्यवस्था/विधि-व्यवस्था के उल्लंघन से संबंधित प्रतिवेदन संबंधित थाना से प्राप्त नहीं हुआ है। साथ ही अभिलेख की कार्यवाही प्रारम्भ हुए छः माह व्यतीत हो गए हैं।

अतः काल अवधि बाधित होने के कारण अभिलेख की कार्यवाही बन्द की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित

  
अनुमण्डल दण्डाधिकारी  
डुमरी।

  
अनुमण्डल दण्डाधिकारी  
डुमरी।